केवल मूल्यांकनकर्ता के उपयोग हेतु!

माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

32 पृष्ठीय

केवल परीक्षक द्वारा भरा जावे। प्रश्न क्रमांक के सम्मुख प्राप्तांकों की प्रविष्टी करें।

प्रश्न क्रमांक	पृष्ठ क्रमांक	प्राप्तांक (अंकों में)	प्रश्न क्रमांक	पृष्ठ क्रमांक	प्राप्तांक (अंकों में)
1			17		
2			18		
3			19		
4			20		
5			21		
6			22		
7			23		
8			24		
9			25		
10			26		
11			27		
12			28		
13					
14					
15					
16					

कुल प्राप्तांक शब्दों में | कुल प्राप्तांक

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जावे

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जावे

प्रमाणित किया जाता है कि अन्दर के पृष्ठों के अनुरूप मुख्य पृष्ठ पर अंकों की प्रविष्टी एवं अंकों का योग

निर्धारित मुद्राः नाम, पदनाम, मोबाईल नम्बर, परीक्षक क्रमांक एवं पदांकित संस्था के नाम की मुद्रा लगाएं।

उप मुख्य परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा	परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा
S.K. Jatav (Principal) V.No. 741811	Smt. APRAJITA PATHAK (M.T.) 7.4/8/6 Excellence School

② [ ] पूर्व पृष्ठ + [ ] पृष्ठ 2 के अंक = [ ] कुल अंक

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक 01 का उत्तर

1. उत्तर जब फसल में फूल आजाएँ।

2. उत्तर लोबिया। 0

3. उत्तर गलघोंटू। 0

4. उत्तर- थनैला रोग में।

5. उत्तर पास्चुरैला बोवीसेप्टिका।

6. उत्तर- मध्य इंग्लैण्ड।

③ योग + पृष्ठ 3 के अंक = कुल अंक

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक 02 का उत्तर

114 दिन

1.
उत्तर - 114 दिनों।

2.
उत्तर - जमुनापारी।

3
उत्तर - कश्मीरी।

4
उत्तर - स्पेन।

5
उत्तर - अविकानगर (राजस्थान)।

6
उत्तर - मेरिनों

BSE

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक 03 का उत्तर

(i)
उत्तर - सत्य

(ii)
उत्तर - असत्य

(iii)
उत्तर - असत

(iv)
उत्तर - सत्य

(v)
उत्तर - असत

(vi)
उत्तर - सत्

BSE

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL
माध्यमिक शिक्षा मण्डल मध्यप्रदेश

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक 04 का उत्तर

1.
उत्तर – अमूल का पूरा नाम आनन्द मिल्क यूनियन लिमिटेड है।

2
उत्तर ⇒ NDDB का पूरा नाम नेशनल डेयरी डेवलपमेन्ट बोर्ड है।

3
उत्तर – पाश्चुरीकृत दूध को 4°C तापमान पर भंडारित करना चाहिए।

4.
उत्तर – व्हाइट लेगहार्न मुर्गी वर्ष में 250 से 300 अंडे उत्पादित करती है।

5.
उत्तर – केन्डलर से अण्डो की जाँच करने की विधि को केण्डलिंग कहते है।

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

माध्यमिक शिक्षा मण्डल मध्यप्रदेश

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक 05 का उत्तर

(i) गहरी बिछावन पद्धति – 250 मुर्गियाँ

(ii) पिंजरा प्रणाली – ज्यादा अण्डा उत्पादन

(iii) अंडो की खेल – कैल्सियम

(iv) पोरोसिस – मैंगनीज

(v) फिल्टर पासिंग जीवाणु – न्यूकेसि

BSE

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

माध्यमिक शिक्षा मण्डल मध्यप्रदेश

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक 06 का उत्तर

थनैला रोग के दो लक्षण निम्नलिखित है-

(i) थनैला रोग से ग्रसित पशुओं के थन सूजकर लाल गर्म एवं कड़े हो जाते है।

(ii) थनैला रोग से ग्रसित पशुओं के दूध मे एपीथीलियल कोशिका दिखाई देती हैं।

B S E

प्रश्न क्रमांक 07 का उत्तर

मछली पालन से होने वाले दो लाभ निम्नलिखित है-

(i) रोजगार प्राप्ति -

(ii) राष्ट्रीय आय में वृद्दि

(i) रोजगार प्राप्ति - मछली पालन करने से बेरोजगार व्यक्तियोंको रोजगार प्राप्त होता है।

(ii) राष्ट्रीय आय में वृद्दि- मछली पालन करके उसे विदेशों में बेचने से विदेशी मुद्रा प्राप्त होती है जिससे राष्ट्रीय आय में वृद्दि होती हैं।

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक 09 का उत्तर

क्रीम पकाने के दो लाभ निम्नलिखित है-

(i) क्रीम पकाने से क्रीम में उपस्थित गंधमयी एवं वाष्पशील गैसें बाहर निकल जाती है

(ii) पकी क्रीम से बना मक्खन कणदार एवं उच्च गुणवत्ता वाला होता है

प्रश्न क्रमाँक 08 का उत्तर "अथवा"

विदेशी नस्ल की चार बकरियों के नाम निम्नलिखित है-

(i) सानेन ।
(ii) टोगेनबर्ग
(iii) अल्पाइन नस्ल
(iv) एंग्लो नूबियन नस्ल

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक 11 का उत्तर

दुग्ध चूर्ण - दूध में उपस्थित जल का वाष्पीकरण

प्रश्न क्रमांक 12 का उत्तर "अथवा"

आदर्श राशन के दो गुण निम्नलिखित हैं-

(i) पाचनशीलता -
(ii) स्वादिष्टता -

(i) पाचनशीलता - आदर्श राशन पाचनशील होना चाहिए जिसे पशु आसानी से पचा सके।

(ii) स्वादिष्टता - आदर्श राशन स्वादिष्ट होना चाहिए जिसे पशु चाव से खा सके।

B
S
E

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL मध्यप्रदेश

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक 11 का उत्तर

दुग्ध चूर्ण- "दूध में उपस्थित जल का वाष्पीकरण करके, सुखाकर तैयार किया गया वह ठोस पदार्थ जिसे पुनः द्रव दूध के रूप में प्रयोग किया जा सके, दुग्ध चूर्ण कहलाता है।

प्रश्न क्रमांक 13 का उत्तर "अथवा"

आइसक्रीम एवं कुल्फी में तीन अन्तर निम्नलिखित हैं-

आइसक्रीम	कुल्फी
(i) आइसक्रीम का संघटन अनिश्चित होता है।	कुल्फी का संघटन अनिश्चित होता है।
(ii) आइसक्रीम में हवा मिश्रण के कारण उसका ~~ओवरस्न~~आयतन बढ़ जाता है।	कुल्फी का ओवररन नहीं होता ~~बढ़ता~~ है।

BSE

योग पूर्व पृष्ठ

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक 13 का उत्तर "अथवा"

आइसक्रीम एवं कुल्फी मे तीन अन्तर निम्नलिखित है-

	आइसक्रीम	कुल्फी
(i)	आइसक्रीम का संघटन निश्चित होता है।	कुल्फी का संघटन अनिश्चित होता है।
(ii)	आइसक्रीम में हवा मिश्रित करके उसका आयतन बढ़ाया जा सकता है।	कुल्फी का आयतन नहीं बढ़ाया जा सकता क्योंकि इसमे ओवररन नहीं होता है।
(iii)	आइसक्रीम बनाना कुल्फी बनाने की अपेक्षा कठिन है।	कुल्फी बनाना आइसक्रीम बनाने की अपेक्षा आसान है।

B
S
E

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक 14 का उत्तर "अथवा"

इन्क्यूबेटर में अण्डे सेने संबंधी मुख्य छः सावधानियाँ निम्नलिखित है-

(i) अण्डे सेते समय इन्क्यूबेटर को समतल स्थान पर रखना चाहिए।

(ii) अण्डे सेते समय इन्क्यूबेटर स्वच्छ एवं संक्रमणरहित होना चाहिए।

(iii) इन्क्यूबेटर में अण्डे सेते समय उसका तापमान 100°F से अधिक नहीं होना चाहिए।

(iv) इन्क्यूबेटर में अण्डे सेते समय उसकी आपेक्षिक आर्द्रता 60% होनी चाहिए।

(v) इन्क्यूबेटर में अण्डे सेते समय उसमे 21 प्रतिशत ऑक्सीजन होनी चाहिए।

(vi) इन्क्यूबेटर में कार्बनडाइऑक्साइड की मात्रा 0.5 प्रतिशत से कम होनी चाहिए।

BSE

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक 17 का उत्तर

(i) बर्डिजो कास्ट्रेटर- इसका उपयोग अनुपयोगी नर पशुओं को बधियाकरण करने में किया जाता है।

(ii) टीट (थन) सायफन- इसका उपयोग मादा पशुओं को थनैला रोग हो जाने पर थन से दूध निकालने एवं उसमे दवा पहुँचाने में किया जाता है।

(iii) ट्रोकर एवं केन्युला - ट्रोकर एवं केन्युला का उपयोग पशुओं के पेट में गैस भर जाने अर्थात् अफरा रोग हो जाने पर पेट से गैस निकालने में किया जाता है।

(iv) स्पेचुला - स्पेचुला का प्रयोग मलहम पट्टिका पर विभिन्न दवाओं को मिलाने में किया जाता है।

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक 20 का उत्तर "अथवा"

आदर्श राशन - "दाने का वह सम्मिश्रण जो पशुओं को देने पर उनकी ~~उनकी~~ समस्त आवश्यकताओं की पूर्ति कर देता है, आदर्श राशन कहलाता है।

B S E

आदर्श राशन के चार गुण निम्नलिखित हैं-

(i) पाचकता - आदर्श राशन शीघ्र ही पचने वाला होना चाहिए जिसे पशु आसानी से पचा सके।

(ii) स्वादिष्टता - आदर्श राशन स्वादिष्ट होना चाहिए जिसे पशु ~~पशु~~ चाव से खा सके।

(iii) स्वच्छता - पशुओं को दिया जाने ~~आ~~ वाला आदर्श राशन स्वच्छ होना चाहिए अर्थात् उसमें मिट्टी एवं फफूंदी नहीं होनी चाहिए। जिसे खाकर पशु स्वस्थ रहें।

(iv) सभी पोषक तत्व उपलब्ध - आदर्श राशन में पशुओं के लिये आवश्यक सभी पोषक तत्व उपलब्ध होने चाहिए।

मध्यप्रदेश

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

B
S
E

प्रश्न क्रमांक 16 का उत्तर

बीमार पशुओं के सामान्य छः लक्षण निम्नलिखित हैं-

(i) सुस्त- बीमार पशु सुस्त हो जाता है।

(ii) कम खाना- बीमार पशु खाना (चरना) कम कर देता है।

(iii) बदबूदार साँस- बीमार पशु के मुँह से बदबूदार साँस निकलती है।

(iv) मलिन आँखे- बीमार पशु की आँखे मलिन दिखाई देती है जिनसे आँसू या कीचड़ निकलता है।

(v) दुर्गन्ध वाला गोबर- बीमार पशु दुर्गन्ध वाला गोबर करता है।

(vi) श्वाँस गति, एवं नाड़ी गति एवं तापमान- बीमार पशु के शरीर का तापमान और श्वाँस गति एवं नाड़ी गति बढ़ जाती है।

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक 15 का उत्तर "अथवा"

मुर्गियों की पुलोरम बीमारी का वर्णन निम्नलिखित है-

(i) रोगकारक - पुलोरम रोग का रोगकारक रोगाणु का नाम सालमोनेला पुलोरम नामक जीवाणु है।

B
S
E

(ii) दो लक्षण - (i) मुर्गे और मुर्गियाँ पंख सिकोड़कर बैठ जाते है।
(ii) पक्षियों में डायरिया उत्पन्न हो जाता है।

(iii) उपचार - (i) ओरियोमाइसीन या टेट्रासाइक्लिन की 2 मिली. दवा को डिस्टिल्ड वॉटर में मिलाकर पक्षियों (मुर्गियों) को इंजेक्शन लगाना चाहिए।
(ii) - नेफ्राजोन -200 दवा की 1-2 मिलीग्राम दवा को प्रति किलोग्राम दाने में मिलाकर मुर्गियों को खिलाना चाहिए।

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक 18 का उत्तर

उत्तम दुधारू गाय / भैंस के लक्षण निम्नलिखित है-

(i) ~~उत्त~~ उत्तम गाय या भैंस का शरीर त्रिभुजाकार दिखाई देता है।

(ii) दुधारू गाय / भैंस का अयन सुविकसित होना चाहिए।

(iii) ~~दुधारू~~ दुधारू गाय / भैंस के अयन पर उभरी हुई टेढ़ी-मेढ़ी दुग्ध शिराएँ स्पष्ट दिखाई देती है।

(iv) दुधारू गाय / भैंस के अयन पर समान लम्बाई के थन समान दूरी पर पाये जाते है।

(v) दुधारू गाय / भैंस के अयन से दूध निकालने पर वह (अयन) सिकुड़ जाता है।

(vi) दुधारू गाय / भैंस की चमड़ी मुलायम होती है।

(vii) उत्तम दुधारू गाय / भैंस की पीठ सीधी होती है।

(viii) उत्तम दुधारू गाय / भैंस के पैर छोटे एवं सीधे होते है।

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमाँक 10 का उत्तर

चेड्डर पनीर बनाने की विधि का फ्लो चार्ट निम्नलिखित है-

दूध को 85°F पर गर्म करके जामन डालकर पकाना

↓

रैनेट मिलाना

↓

कर्ड तोड़ना

↓

कर्ड काटना

↓

कपड़े में लपेटकर धूप में ~~दबाना~~ दबाना

↓

पैकिंग करना

Laser/Inkjet/Copier Label A4ST-16 99.1

माध्यमिक शिक्षा मण्डल मध्यप्रदेश

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

BSE

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक 19 का उत्तर "अथवा"

(i) रोगकारक - रानीखेत बीमारी का रोगकारक पारामिक्सोवायरस है।

(ii) दो लक्षण - (1) रानीखेत बीमारी में पक्षियों को बार-बार छींक आती है।

(2) रानीखेत बीमारी मे पक्षी का मुँह खुला रहता है, कि उन्हे साँस लेने मे कठिनाई होती है।

(iii) रोकथाम एवं उपचार

(iii) रोकथाम के चार उपाय - (i) बीमारी से ग्रसित पक्षियों को मारकर जला देना चाहिए।

(ii) स्वस्थ एवं रोगी पक्षियों को अलग-अलग रखना चाहिए।

(iii) रोगी पक्षियों का समुचित टीकाकरण कराना चाहिए।

(iv) ~~रोगी~~ मुर्गीशाला की नियमित साफ-सफाई करनी चाहिए एवं स्वच्छता बनाये रखना चाहिए।